समाचार वाणी
ख़बर जो करें असर !

नाशिक | Tuesday, 25 August 2026

स्वदेशी संघ और स्वदेशी जागरण मंच का अभियान : देशी उत्पादों को बढ़ावा, 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत की दिशा मे ं

Sanket Morankar Published on 22 Sep 2025

देश में **देशी उत्पादों और स्थानीय उद्योगों को बढ़ावा देने** के लिए स्वदेशी संघ और स्वदेशी जागरण मंच ने एक **विशेष अभियान** शुरू किया है। यह पहल भारत को **आत्मनिर्भर बनाने और 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम** को साकार करने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

- अभियान का मुख्य उद्देश्य है **देशी उत्पादों की पहचान और समर्थन करना**।
- यह पहल **स्थानीय उद्योगों, शिल्पकारों और उत्पादकों** के लिए नई संभावनाओं को खोलती है।
- स्वदेशी संघ के संयोजक ने कहा—
  "**हमे अपने देश की उत्पादक शक्ति और शिल्प संस्कृति को बढ़ावा देना होगा। यही आत्मनिर्भर भारत की असली दिशा है।**"
- स्वदेशी जागरण मंच के प्रतिनिधि ने बताया कि यह अभियान **ग्रामीण और शहरी दोनों स्तरों पर देशी उत्पादों की पहुँच बढ़ाने** का काम करेगा।

- अभियान का मुख्य संदेश है कि **भारत को वैश्विक स्तर पर मजबूत और आत्मनिर्भर बनाना** है।
- इसमें स्थानीय उत्पादकों को **तकनीकी सहयोग, प्रशिक्षण और विपणन सहायता** प्रदान की जाएगी।
- उद्योग विशेषज्ञ मानते हैं कि इस तरह की पहल **'मेक इन इंडिया' को व्यापक आधार** दे सकती है।

एक उद्योग विशेषज्ञ ने कहा—

"यदि हम देशी उत्पादों का समर्थन करते है और उनके निर्माण मे स्थानीय संसाधनों का उपयोग बढ़ाते है, तो भारत न केवल आर्थिक रूप से मजबूत होगा बल्कि रोजगार के अवसर भी बढ़ेगें।"

1. **देशी उत्पाद मेलों और प्रदर्शनियों का आयोजन** – जहां स्थानीय उत्पादकों को **अपने उत्पाद प्रदर्शित करने और बेचने** का मौका मिलेगा।
2. **ग्रामीण शिल्प और हस्तकला को बढ़ावा** – ग्रामीण क्षेत्रों के शिल्पकारों को प्रशिक्षित कर **उनकी कला को आधुनिक बाजारों तक पहुँचाना**।
3. **सामाजिक मीडिया और प्रचार अभियान** – जनता में जागरूकता फैलाने के लिए **सोशल मीडिया प्लेटफ़ॉर्म्स और डिजिटल अभियान**।
4. **स्थानीय दुकानों और व्यवसायों के साथ सहयोग** – ताकि देशी उत्पादों का **स्थानीय और राष्ट्रीय वितरण नेटवर्क** मजबूत हो।

- इस पहल से **स्थानीय रोजगार मे वृंद्धि** होगी और छोटे व्यवसायों को नई पहचान मिलेगी।
- देशी उत्पादों के बढ़ावे से **आयात पर निर्भरता घटेगी** और देश की अर्थव्यवस्था मजबूत होगी।
- सामाजिक दृष्टि से, यह पहल **देशभक्ति और सांस्कृतिक पहचान** को बढ़ावा देती है।

स्वदेशी संघ के प्रमुख ने कहा—
"जब हम देशी उत्पाद खरीदते है, हम न केवल अपनी अर्थव्यवस्था को मजबूत कर रहे है, बल्कि देश की सांस्कृतिक धरोहर को भी बचा रहे है।"

- इस अभियान में **हस्तकला, कपड़े, कृषि उत्पाद, घरेलू उपकरण, और तकनीकी उत्पाद** शामिल हैं।
- स्थानीय उद्योगों और शिल्पकारों को **उन्नत तकनीक और विपणन कौशल** प्रदान किया जाएगा।
- विशेष ध्यान **सस्टेनेबल और पर्यावरण-अनुकूल उत्पादों** पर दिया गया है।

- अभियान में **युवाओं को भी शामिल** किया जा रहा है ताकि वे देशी उत्पादों के प्रचार और विपणन में सक्रिय भूमिका निभाएँ।
- छात्र और युवा **सोशल मीडिया पर देशी उत्पादों का समर्थन और जागरूकता** बढ़ाने के लिए अभियान में सक्रिय हैं।
- स्वदेशी जागरण मंच ने कहा कि युवा देश में **नवाचार और स्थानीय उत्पादन** को नई दिशा देने में सक्षम हैं।

एक युवा सदस्य ने कहा—
"हमारा उद्देश्य है कि देशी उत्पादों को केवल ग्रामीण या शिल्पकार तक सीमित न रखे, बंल्कि पूरे देश और वैश्विक बाजार मे पंहचान दिलाएँ।"

- अगले वर्ष तक **देशभर मे 50+ स्वदेशी मेलों और प्रदर्शनियों** का आयोजन किया जाएगा।
- स्थानीय उत्पादों को **ई-कॉमर्स और डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म** पर भी बढ़ावा दिया जाएगा।
- स्वदेशी संघ और जागरण मंच का लक्ष्य है कि **देशी उत्पाद हर भारतीय घर तक पहुँचे**।

विशेषज्ञ मानते हैं कि यह पहल **स्थानीय अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करने और भारत को वैश्विक स्तर पर आत्मनिर्भर बनाने** में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती है।

स्वदेशी संघ और स्वदेशी जागरण मंच का यह अभियान **देशी उत्पादों, स्थानीय उद्योग और शिल्पकारों को बढ़ावा देने** का प्रभावशाली कदम है।

- 'मेक इन इंडिया' और आत्मनिर्भर भारत के उद्देश्य को साकार करने में यह पहल अहम साबित होगी।
- स्थानीय उद्योगों को **नई पहचान, प्रशिक्षण और विपणन सहायता** मिलेगी।
- सामाजिक और आर्थिक दृष्टि से, यह पहल भारत को **सशक्त, आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख** बनाने में योगदान देगी।

विशेषज्ञों का मानना है कि यदि जनता और उद्योग मिलकर इस पहल का समर्थन करें, तो **देशी उत्पादों का भविष्य उज्जवल होगा और भारत वैश्विक स्तर पर मजबूत अर्थव्यवस्था के रूप मे उंभरेगा।**

DISCLAIMER: the views/contents expressed/presented herein, within this advertorial and promotional feature are the sole and exclusive responsibility of individual clients/expert/their authorised representative/Sanket Morankar, to which effect, publication house/its representative/affiliates are not responsible/liable whatsover.